संशोधित अनुमान, 2001-2002

वर्ष 2001-2002 के लिए व्यय के संशोधित अनुमान में बजट अनुमानों की तुलना में 10,787 करोड़ रुपए की निवल कमी दर्शायी गई है। यद्यपि, कतिपय क्षेत्रों में व्यय में वृद्धि हुई है, फिर भी इसे अन्य क्षेत्रों में हुई कमी द्वारा प्रतिसंतुलित कर लिया गया है। आयोजना-भिन्न के अंतर्गत कमी 9,841 करोड़ रुपए और आयोजना के अंतर्गत 946 करोड़ रुपए है। जिन प्रमुख मदों में घट-बढ़ हुई है उन्हें नीचे दर्शाया गया है :–

(करोड़ रुपए)

	बजट 2001-02	संशोधित 2001-02	घट-बढ़
आयोजना-भिन्न			
1. ब्याज संदाय	112300	107257	(-) 5043
2. रक्षा	62000	57000	(-) 5000
3. खाद्य संबंधी आर्थिक सहायता	13675	17612	(+) 3937
4. राज्य सरकारों को अनुदान	17923	16306	(-) 1617
5. नियंत्रण-मुक्त उर्वरकों की रियायती बिक्री	5714	4515	(-) 1199
6. नाइट्रोजनी उर्वरक	8456	7429	(-) 1027
7. सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों को अनुदान/ऋण	1374	2031	(+) 657
8. पेंशन	15059	14628	(-) 431
9. डाक घाटा	1433	1357	(-) 76
10. अन्य आयोजना-भिन्न व्यय	37189	37147	(-) 42
जोड़ (आयोजना-भिन्न) व्यय	**275123**	**265282**	(-) **9841**
आयोजना			
1. केन्द्रीय आयोजना	59456	60276	(+) 820
2. राज्य और संघ राज्य क्षेत्र की आयोजनाओं के लिए केन्द्रीय सहायता	40644	38878	(-) 1766
जोड़ (आयोजना) व्यय	**100100**	**99154**	**(-) 946**

आयोजना-भिन्न

1. ब्याज दरों और सरकारी प्रतिभूतियों के पुनःनिर्गम पर अर्जित प्रीमियम में कमी के कारण।
2. कम पूंजी व्यय के कारण।
3. एफसीआई के पास बड़े भंडारों के कारण आवश्यक हुई उच्च वहन लागत और निर्गम मूल्यों में कमी के कारण।
4. "राजकोषीय प्रोत्साहन निधि" के अधीन निधियों का उपयोग नहीं किए जाने के कारण कमी।

5. और 6. यह कमी उर्वरकों की अनुमानित से कम खपत और निविष्टियों की लागत में कमी के कारण है।

7. अतिरिक्त प्रावधान मुख्यतः सरकारी क्षेत्र के रूग्ण उपक्रमों को अपने कर्मचारियों को वेतन और मजदूरी का भुगतान करने योग्य बनाने और स्वैच्छिक पृथक्करण योजना तथा सांविधिक बकाए के भुगतान के लिए उनके संसाधनों में हुई कमी को पूरा करने के लिए है।
8. यह कमी मुख्यतः रक्षा पेंशनों के कारण है।
9. यह कमी डाक विभाग के कार्यचालन व्यय में कमी के कारण है।

आयोजना

1. आयोजना व्यय में वृद्धि प्राथमिक तौर पर विद्युत में बढ़े हुए निवेश, ग्रामीण रोजगार, ग्रामीण आवास, राष्ट्रीय राजमार्ग और दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन के लिए वर्धित परिव्यय के कारण है।
2. यह कमी विदेशी सहायता प्राप्त परियोजनाओं, विशेष केंद्रीय सहायता, उत्तर-पूर्वी और सिक्किम के लिए संसाधनों के केंद्रीय पूल और अतिरिक्त केंद्रीय सहायता के अधीन प्रावधानों में वृद्धि तथा सामान्य केंद्रीय सहायता और त्वरित विद्युत विकास कार्यक्रम में कमी का निवल प्रभाव है।